

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग **II---खण्ड** 3---उपखण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 298

नई विल्ली, संसिवार, ग्रक्तूबर 27, 1975/कार्तिक 5, 1897

No. 298]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 27, 1975/KARTIKA 5, 1897

इस अाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वा जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 27th October 1975

G.S.R. 542(E)/Ess. Com./Sugarcane.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereb makes the following Order further to amend the Sugarcane (Control) Order, 1966, namely

- 1. (1) This Order may be called the Sugarcane (Control) Second Amendment Order, 1975.
 - (2) It shall come into force at once.
- 2. In the Sugarcane (Control) Order, 1966, after clause 9, the following clause shall be inserted, namely:—
 - "9A. Power of entry, search and seizure.—(1) The Central Government or the State Government, as the case may be, may authorise any person to enter and search any premises where any accounts, books, registers or other documents belonging to, or under the control of a producer of sugar or his agent, or an owner of a crusher, a power cru her or a khandsari unit or an agent of such an owner, are maintained or kept for safe custody:

Provided that this clause shall not apply to accounts, books, registers or other documents relating to a crusher owned by a grower or a body of growers of sugarcane.

- (2) Such person may seize any such accounts, books, registers or other documents if he has reason to believe that a contravention of this Order has been, or is being, or is about to be, committed.
- (3) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1973) relating to searches and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizures made under this clause.".

[No. 15-6/75-SPY]

S. V. SAMPATH, Jt. Secy. (Sugar).

कृषि ग्रीर सिचाई मंत्र(लय

(खाद्य विभाग)

स्रादेश

नई दिल्लो, 27 ग्रन्तुबर, 1975

सा० का० कि० 542 (म्र) / मावश्यक वस्तु / गन्नाः—प्रात्रस्यक यस्तु प्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार गन्ना (नियंत्रण) म्रादेश, 1966 में भीर संशोधन करने के जिए निम्नलिखित म्रादेश करती है, प्रर्थात् :—

- 1. (1) इस भारेश का नाम गन्ना (नियंत्रण) दितीय संशोधन श्रादेश, 1975 है।
 - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।
- 2. गन्ना (नियंक्षण) म्रादेश, 1966 में, खंड 9 के पश्चात् निम्नलिखित खंड भ्रन्तःस्थापित किया जाएगा, मर्थातः :----
 - "9 क. प्रवेश, तलाशी स्रोर प्रशिषहण की ाकित.——(1) यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार किसी भी व्यक्ति को ऐसे किसी भी स्थान में प्रवेश करने और उनकी तलाशी लेने के लिए प्राधिकृत कर सकेगी, जहां किसी गन्ना उत्पादक या उसके प्रभिकत्ता, या किसी दलित (कशर), विद्युत्-दलित या खंडसारी यूनिट के स्वामी या ऐसे स्वामी के किसी प्रभिकत्ता के या उसके नियंत्रणाधीन कोई खाते. पुरुषकें, रिजस्टर या अन्य दस्तायेजें सुरक्षित प्रभिष्का के लिए रखी गई हैं:

परन्सु <mark>यह खंड गन्ना उगाने वाले या उगाने वालों के निकाय के स्वामित्वाधीन द</mark>लिस से सम्बन्धित खातों, पूस्तकों, रजिस्टरों या ब्रान्य दस्तावेजों को लागू नहीं होगा ।

- (2) ऐसा व्यक्ति ऐसे किन्हीं खातों, पुस्तकों, रजिस्टरों या भ्रन्य दस्तावेजों का श्रभिग्रहण कर सकेगा, यदि उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस भ्रावेश का उल्लंबन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है।
- (3) दंड प्रिक्रिया संहिता, 1973 (1973 का 2) के, तलाशियों और ग्रिभग्रहण से सम्बन्धित, उग्बंध, यावत्शक्य इस खंड के ग्रधीन की गई तलाशियों और ग्रभिग्रहणों को लागू होंगे।"।

[सं० 15-6/75-एस पी वाई] एस० वी० सम्पत,

संयुक्त राचिव (शर्करा)।